राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

कोरोना समय में बच्चों का झरोखा

24 सितम्बर 2022: शनिवार: वर्ष – 03: अंक – 24

कोई लाके मुझे दे

आज की कविता

एक फूलों भरा गीत' और 'एक गीतों भरी बात' कहीं मिल जाए तो फिर क्या कहने। एक छोटी सी हसरत और है कि 'एक अच्छी सी किताब' और 'एक छुट्टी वाला दिन' कोई लाके मुझे दे दे । आइए सुनते हैं हसरतों से भरी इस कविता में और क्या क्या हसरत छिपी है? कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। NCERT

बस, अब और नहीं

आज की कहानी

ये छोटा कचरे का ढेर धीरे धीरे बड़ा होता जाता है और फिर कचरे का पहाड़ बन जाता है। ऐसे अनगिनत पहाड़ बनते जाते हैं । तो क्या पूरी धरती ही कचरे का पहाड़ बन जाएगी? फिर ये कचरा हमारे पानी, पेड़ पौधों और हवा को बीमार बनाएगा। तो क्या ये हम सबको बीमार बनाएगा? नहीं अब और नहीं । बस ! सुनते हैं ये पूरी कहानी । चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। RSCERT

पत्तों का चिड़ियाघर

आज की किताब

हमारे चारों तरफ पेड़ ही पेड़ हैं और उन पर तरह तरह के पत्ते। ये पत्ते इन पेड़ों के कपड़े हैं। सबने अलग अलग रंग, डिजाइन और छाप वाले कपड़े पहन रखे हैं। पेड़ जब अपने कपड़े बदलते हैं तो ये नए-पुराने पत्ते मिलकर एक चिड़ियाघर बना लेते हैं। शेर, हिरण, खरगोश, मोर, हाथी, जिराफ़ और न जाने क्या क्या। पढ़ते हैं ये मजेदार कविता और हम भी बनाते हैं पत्तों का एक चिड़ियाघर।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BGVS

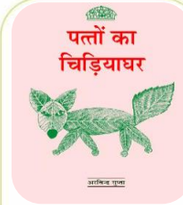

रंग बदलती डोरियाँ

आज की गतिविधि

एक खाली माचिस की डिबिया में पिरोई गई गुलाबी और हरे रंग की डोरियाँ आपस में रंग बदल लेती हैं । है न कमाल की बात? इस जादुई खिलौने को बनाना भी उतना ही कमाल है। हमें चाहिए बस एक खाली माचिस की डिबिया और हरे व गुलाबी रंग की ऊन। पूरी गतिविधि सीखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

कुछ इतिहास, कुछ भूगोल, कुछ कालिदास

टीचर्स कॉर्नर

उदयपुर के पास नवानियाँ गाँव के पुराने बुजुर्गों ने काली मिट्टी वाली कृषि भूमि को जब 'माल' शब्द से संबोधित किया तो रहस्य और गहरा गया कि ये शब्द आया कहाँ से ? क्या ये 'मालवा' से आया शब्द है या फिर फारसी का 'माल' है जिसका अर्थ होता था 'लगान'। इतिहासकार सी एन सुब्रह्मण्यम के इस आलेख में पढिए इसकी पड़ताल।

शिक्षकों के लिए। Sandarbh

पढने का जादुई सफ़र

हमारा पुस्तकालय

किताब चुनने की आजादी, उस पर बातचीत, चित्रों के जरिए कही गई बात को समझने की मिलजुल कर कोशिश करना और पढ़े गए पर अपनी प्रतिक्रिया दे पाना, पढ़ने के सफर को न सिर्फ अर्थपूर्ण बना देता है बल्कि उसे एक निजी अनुभव भी बना देता है। अमित कुमार ने इस आलेख में इन्हीं बातों का अनुभव लिखा है। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Parag-Tata Trusts

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 126वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोड़िए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।